की कृषि समिति के आमंत्रण पर वीसा देकर उसे वहां बुलाया गया।

माननीय विदेश मंत्री उपर्युक्त सरकारों से इस संबंध में सम्पर्क कर के खालिस्तान समर्थकों की चेष्टाओं को निष्प्रभावी करें, अन्यथा भरा-पूरा दिखने वाला घाव अन्दर से नासूर हो सकता है। माननीय मंत्री जी इस सम्बन्ध में सदन को वस्तुस्थिति की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएं।

(vii) Need for adequate supply of electricity to farmers in U.P.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : समूचे उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र को 6 घंटे से अधिक बिजली नहीं मिल पा रही है तथा कई बार बिल्कुल गायब रहती है। इस 6 घंटे बिजली पाने के लिए भी समय निश्चित नहीं है। अधिकांशत: रात्रि में 8 बजे के बाद ही अथवा रात्रि 12 बजे के बाद कृषकों को बिजली मिल पाती है।

असमय की वर्षा से भयभीत उत्तर प्रदेश का किसान अपनी फसल काटकर थ्रेशरों द्वारा शीघ्र गहाई करके गेहूं आदि घर लाना चाहता है परन्तु बिजली न मिलने से पहले से ही वर्षा ओलों से पीड़ित और भी दुखी हो गया है क्योंकि बिजली के बिना थ्रेशिंग आदि में असुविधा हो रही है और न ही अगली फसल के लिए पानी की व्यवस्था हो पा रही है।

मैं केन्द्रीय सरकार से अनुरोध करता हूं कि उत्तर प्रदेश के कृषकों के व्यापक हित में बिजली की समुचित व्यवस्था कराएं।

(viii) Need for early implementation of demands of Railway Station Masters

श्री दयाराम शाक्य (इटावा) : रेलवे मंत्रालय द्वारा स्वीकृत रेलवे द्वारा ही उन मांगों को कि ए एस एम/एस एम का री-क्लासिफिकेशन किया जाएगा तथा उनको टेरीकाट की वर्दी दी जाएगी, कार्यान्वित न किए जाने पर 32 रेलवे कर्मचारी रेलवे मंत्री के निवास पर आमरण अनशन पर 21 अप्रैल से बैठे हैं। हालत चिंताजनक है। अत: मंत्री महोदय स्वीकृत मांगों को कार्यान्वित किए जाने के विषय में अपना वक्तव्य देने एवं आमरण अनशन पर वक्तव्य देने की कृपा करें।

(ix) Need to postpone recovery of loans and interest from industries lying closed for want of power in Tamil Nadu.

SHRI D.S.A. SIVAPRAKASAM* (Tirunelveli) : Sir, there is acute drought in different parts of the country, in almost all the States. Particularly Tamil Nadu, is reeling under unprecedented drought and the Central Government has paid heed to the pleadings of Tamil Nadu Government and has extended financial assistance. The people of Tamil Nadu are grateful to the Central Government.

Besides the paucity of drinking water, agriculture has also been afflicted for want of water. The industrial production has also come to a grinding halt. The new industrial units have taken loans from the Banks for their working capital and for their machinery. These industries on account of drought have been subjected to serious power cuts and still they are not having finances to purchase their own generators. The Banks give money as loan for buying generators. Yet the industrial production has been affected very badly. The industries are facing the problem of returning the loans to the Banks. Only when production is there, the business will thrive ; when the business thrives, money will come. If money comes, then the loans along with interest to the Banks will be returned. In these circumstances the Central Government should direct the Banks not to insist upon the immediate return of loans and also the interest on such

*The original speech was delivered in Tamil.